INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

गरीबी, विकास और असमानताः सामाजिक–आर्थिक प्रगति को प्रभावित करने वाले कारकों का विस्तृत विश्लेषण

Km. Sangeeta Kumari
Research Scholar,
Department of Economics, Radha Govind University,
Ramgarh, Jharkhand, India
Email id - kmsangeeta123aa@gmail.com

सार
यह शोधपत्र गरीबी, विकास और असमानता के बीच जटिल संबंधों और वैश्विक सामाजिक–आर्थिक प्रगति पर उनके प्रभाव का पता लगाता है। 2023 में, गरीबी एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है, जो दुनिया की 9.2% आबादी को प्रभावित करती है, जिसमें क्षेत्रों में महत्वपूर्ण असमानताएँ हैं। उप–सहारा अफ्रीका सबसे अधिक बोझ वहन करता है, जबकि पूर्वी एशिया में मजबूत आर्थिक विकास के कारण गरीबी में पर्याप्त कमी देखी गई है। विकास को एक ऐसी अवधारणा के रूप में परखा जाता है जो आर्थिक मीट्रिक से परे है, जिसमें मानव विकास सूचकांक (HDI) जैसे मानव कल्याण संकेतक शामिल हैं। अध्ययन में नॉर्वे जैसे देशों के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर किया गया है आय असमानता, जो दुनिया भर में एक बढ़ती हुई चिंता है, का विश्लेषण चीन और ब्राजील के केस स्टडी के माध्यम से किया गया है। चीन के तेज आर्थिक विकास ने लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, लेकिन आय असमानता को भी बढ़ाया है, जबकि ब्राजील के सामाजिक कार्यक्रमों को असमानता को कम करने में मिली–जुली सफलता मिली है। शोधपत्र का निष्कर्ष है कि स्थायी सामाजिक–आर्थिक प्रगति प्राप्त करने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो आर्थिक विकास और सामाजिक समानता दोनों को बढ़ावा देता है, जिसे अच्छे शासन, कम भ्रष्टाचार और प्रभावी नीतियों द्वारा समर्थित किया जाता है। पर्यावरणीय चुनौतियों, विशेषकर जलवायु परिवर्तन को भी ऐसे महत्वपूर्ण कारकों के रूप में पहचाना गया है जो विकास में बाधा डाल सकते हैं, जैसा कि बांग्लादेश में देखा गया है।

महत्वपूर्ण शब्द : गरीबी, विकास, असमानता, आर्थिक विकास, सामाजिक गतिशीलता, आय असमानता, चीन, ब्राजील, शासन, जलवायु परिवर्तन।

1 परिचय

गरीबी, विकास और असमानता जटिल रूप से जुड़ी अवधारणाएँ हैं जो सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण की आधारशिला बनाती हैं। गरीबी को पारंपरिक रूप से न्यूनतम जीवन स्तर बनाए रखने के लिए पर्याप्त आय या संसाधनों की कमी के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और ऊपर की ओर गतिशीलता के अवसरों तक पहुँच जैसे व्यापक आयाम भी शामिल हैं (विश्व बैंक, 2023)। दूसरी ओर, विकास एक बहुआयामी अवधारणा है जो केवल आर्थिक विकास से आगे बढ़कर मानव कल्याण में सुधार को शामिल करती है, जिसे जीवन प्रत्याशा, साक्षरता दर और जीवन की समग्र गुणवत्ता (यूएनडीपी, 2023) जैसे संकेतकों के माध्यम से मापा जाता है। असमानता समाज के भीतर संसाधनों, अवसरों और धन के असमान वितरण को संदर्भित करती है, और यह आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक प्रकृति की हो सकती है (पिकेटी, 2023)।

अध्ययन का महत्व :

गरीबी, विकास और असमानता का विश्लेषण महत्वपूर्ण है क्योंकि ये कारक किसी भी राष्ट्र की सामाजिक–आर्थिक प्रगति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। गरीबी और असमानता के उच्च स्तर आर्थिक विकास को बाधित कर सकते हैं, सामाजिक अशांति को बढ़ावा दे सकते हैं और सतत विकास में

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। इसके विपरीत, समावेशी विकास जो असमानता और गरीबी को कम करता है, वह अधिक स्थिर और समृद्ध समाजों की ओर ले जा सकता है (स्टिग्लिट्ज, 2016)। इन संबंधों को समझना नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जो गरीबी उन्मूलन और न्यायसंगत विकास के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना चाहते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य :

इस पेपर का प्राथमिक उद्देश्य गरीबी, विकास और असमानता के बीच अंतर्संबंधों का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करना है। सैद्धांतिक रूपरेखाओं और अनुभवजन्य साक्ष्यों के माध्यम से इन अवधारणाओं की खोज करके, इस पेपर का उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक प्रगति को प्रभावित करने वाले कारकों और परिणामों को आकार देने में नीतिगत हस्तक्षेपों की भूमिका को उजागर करना है (बर्ग, ओस्ट्री, और जेटेलमेयर , 2018)।

अध्ययन की संरचना :

पेपर की संरचना इस प्रकार हैः पहला खंड वैश्विक सांख्यिकी, कारणों और सैद्धांतिक दृष्टिकोणों सहित गरीबी का अवलोकन प्रदान करता है। दूसरा खंड विकास की अवधारणा में गहराई से उतरता है, आर्थिक और मानव विकास संकेतकों की तुलना करता है। तीसरा खंड असमानता, उसके आयामों और सामाजिक–आर्थिक प्रगति पर उसके प्रभाव पर केंद्रित है। बाद के खंड इन तीन अवधारणाओं के बीच अंतर्संबंधों की जांच करते हैं, सामाजिक–आर्थिक प्रगति को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करते हैं, और केस स्टडी और तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। अंत में, पेपर नीतिगत सिफारिशें प्रदान करता है और प्रमुख निष्कर्षों के साथ समाप्त होता है।

2. गरीबी को समझना

गरीबी एक महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौती बनी हुई है, जो 2023 में दुनिया की लगभग 9.2% आबादी को प्रभावित करेगी। पिछले दशकों में गरीबी दरों को कम करने में काफी प्रगति के बावजूद, क्षेत्रों में बड़ी असमानताएँ बनी हुई हैं। उदाहरण के लिए, उप–सहारा अफ्रीका सबसे अधिक बोझ वहन कर रहा है, जहाँ 41% से अधिक आबादी प्रतिदिन +1.90 से कम पर जीवन यापन कर रही है (विश्व बैंक, 2023)। यह चिंताजनक आँकड़ा इस क्षेत्र में गरीबी की निरंतर और गहरी जड़ें जमाए हुए प्रकृति को रेखांकित करता है, जो राजनीतिक अस्थिरता, संघर्ष और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक सेवाओं तक अपर्याप्त पहुँच जैसे कारकों से प्रेरित है (यूएनडीपी, 2023)।

उप–सहारा अफ्रीका में गरीबी का बने रहना पूर्वी एशिया और प्रशांत जैसे क्षेत्रों में देखी गई महत्वपूर्ण कमी से बिल्कुल अलग है, जहाँ मजबूत आर्थिक विकास ने लाखों लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। हालाँकि, लाभ समान रूप से वितरित नहीं हुए हैं, और अत्यधिक गरीबी के क्षेत्र बने हुए हैं, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में (बोरगुइग्नन, 2019)। दक्षिण एशिया में, गरीबी दर घटकर 24.5ः हो गई है, लेकिन इस क्षेत्र में अभी भी दुनिया के गरीबों का एक बड़ा हिस्सा है, जो तेजी से जनसंख्या वृद्धि और असमान आर्थिक विकास (फोसु, 2018) की चुनौतियों को दर्शाता है।

तालिका 2.1 : क्षेत्रवार वैश्विक गरीबी दर (2023)

क्षेत्र	गरीबी दर (%)	लोगों की संख्या (लाखों में)
उप-सहारा अफ्रीका	41.0	433
दक्षिण एशिया	24.5	389
पूर्वी एशिया एवं प्रशांत	5.2	105

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

लैटिन अमेरिका और कैरिबियन	12.1	74
मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका	8.6	53

स्रोतः विश्व बैंक (2023)।

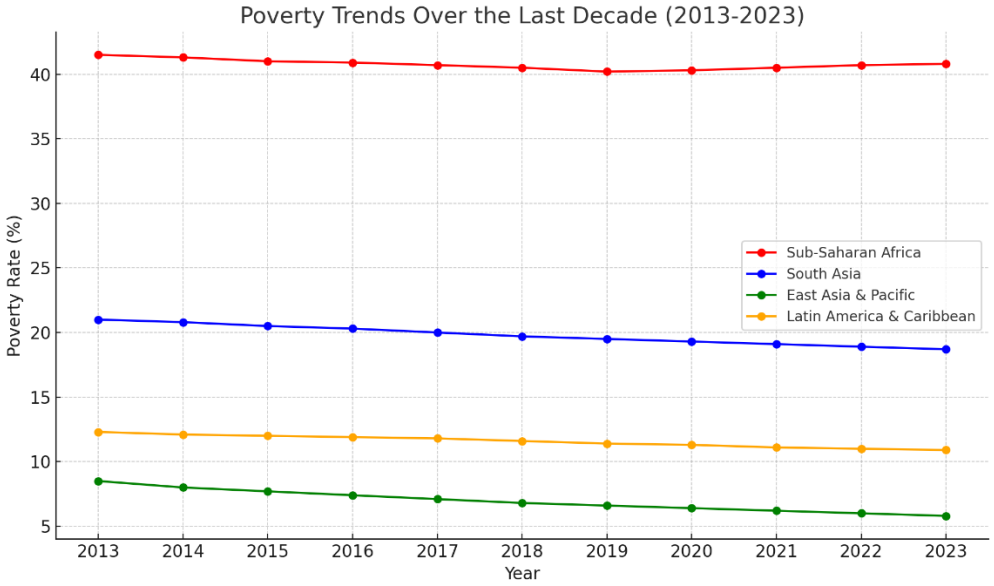

ग्राफ 2.1 : पिछले दशक में गरीबी के रुझान (2013–2023)

ग्राफ पूर्वी एशिया और प्रशांत तथा लैटिन अमेरिका और कैरिबियन जैसे क्षेत्रों में गरीबी दरों में गिरावट का रुझान दिखाता है, जबकि उप–सहारा अफ्रीका जैसे क्षेत्र निरंतर या बदतर होती गरीबी की स्थिति से जूझ रहे हैं। डेटा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में गरीबी में कमी की असमान प्रगति को उजागर करता है (यूएनडीपी, 2023)।

3. विकासः एक बहुमुखी अवधारणा

विकास एक जटिल और बहुआयामी अवधारणा है जो सिर्फ आर्थिक विकास से कहीं ज़्यादा को शामिल करती है। इसमें मानव कल्याण में समग्र सुधार शामिल है, जिसे अक्सर मानव विकास सूचकांक जैसे संकेतकों द्वारा मापा जाता है, जो जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय को ध्यान में रखता है। 2023 मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्वे 0.961 के HDI के साथ वैश्विक रैंकिंग में सबसे ऊपर है, जो इसके उच्च जीवन स्तर, उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली और व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं को दर्शाता है। इसके विपरीत, नाइजीरिया जैसे देश, 0.539 के HDI के साथ, काफी पीछे हैं, जो दुनिया भर में विकास परिणामों में भारी असमानताओं को उजागर करता है (पिकेटी, 2023)।

ये असमानताएँ उन चुनौतियों को रेखांकित करती हैं जिनका सामना कई विकासशील देश सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों ने गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, वहीं अन्य देश लैंगिक असमानता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। उदाहरण के लिए, एसडीजी की दिशा में भारत की प्रगति मिश्रित रही है। जबकि देश ने गरीबी कम करने में प्रगति की है, लैंगिक समानता हासिल करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं (स्टिग्लिट्ज, 2016)।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

तालिका 3.1 : चयनित देशों के लिए एचडीआई रैंकिंग और संकेतक (2023)

देश	एचडीआई रैंक	जीवन प्रत्याशा	शिक्षा सूचकांक	आय सूचकांक
नॉर्वे	1	82.5	0.953	0.947
संयुक्त राज्य अमेरिका	21	78.9	0.919	0.890
भारत	132	70.8	0.621	0.616
नाइजीरिया	161	54.3	0.456	0.394

स्रोतः यूएनडीपी (2023)।

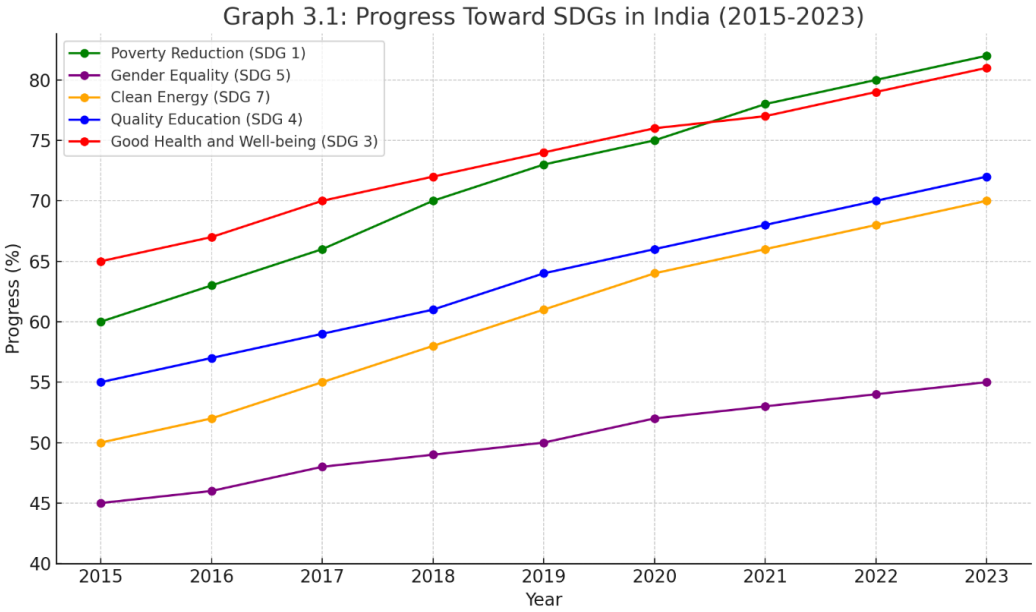

ग्राफ 3.1 : भारत में सतत विकास लक्ष्य की ओर प्रगति (2015–2023)

यह ग्राफ विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों पर भारत की प्रगति को दर्शाता है, जिसमें गरीबी उन्मूलन जैसे सफलता के क्षेत्र और लैंगिक समानता जैसी मौजूदा चुनौतियों को दर्शाया गया है। डेटा विकास की जटिल प्रकृति को दर्शाता है, जहां एक क्षेत्र में लाभ जरूरी नहीं कि अन्य क्षेत्रों में प्रगति में तब्दील हो (यूएन, 2023)।

4. असमानता और इसके आयाम

आय असमानता वैश्विक स्तर पर एक बढ़ती हुई चिंता है, जिसका सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। दक्षिण अफ्रीका जैसे देश दुनिया में आय असमानता के उच्चतम स्तरों में से कुछ को प्रदर्शित करते हैं, जिनका गिनी गुणांक 63.0 है। असमानता का यह उच्च स्तर न केवल आर्थिक विकास को बाधित करता है, बल्कि सामाजिक तनाव को भी बढ़ाता है, जिससे अपराध दर में वृद्धि, सामाजिक गतिशीलता में कमी और अधिक राजनीतिक अस्थिरता होती है।

उदाहरण के लिए, ब्राजील में सरकार ने असमानता को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम लागू किए हैं, जैसे बोल्सा फमिलिया, जो कम आय वाले परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हालाँकि इन कार्यक्रमों से गरीबी को कम करने में कुछ सफलता मिली है, लेकिन असमानता पर समग्र प्रभाव सीमित रहा है, जो आर्थिक विकास, असमानता और सामाजिक नीतियों के बीच जटिल अंतर्संबंध को उजागर करता है (बोरगुइग्नन, 2019)। इसके विपरीत, स्वीडन जैसे कम असमानता वाले देश अधिक स्थिर और टिकाऊ आर्थिक विकास के साथ–साथ उच्च स्तर के सामाजिक सामंजस्य का अनुभव करते हैं (स्टिग्लिट्ज, 2016)।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

तालिका 3.1 : चयनित देशों के लिए गिनी गुणांक (2023)

देश	गिनी गुणांक
दक्षिण अफ़्रीका	63.0
ब्राज़िल	53.4
संयुक्त राज्य अमेरिका	41.4
जर्मनी	29.7
स्वीडन	25.0

स्रोतः ओईसीडी (2023)।

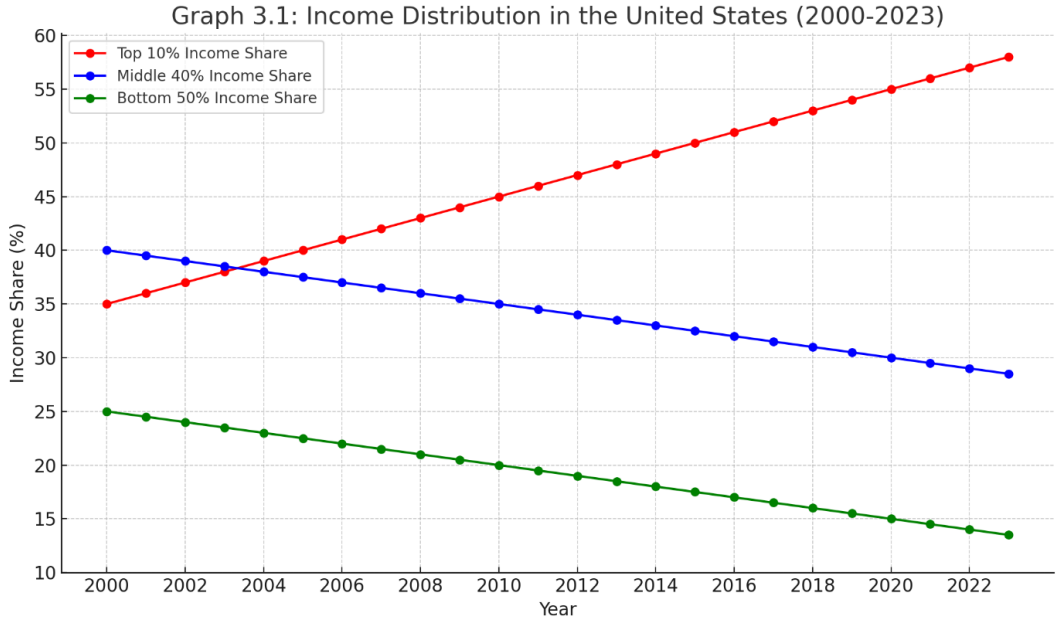

ग्राफ 3.1 : संयुक्त राज्य अमेरिका में आय वितरण (2000–2023)

यह ग्राफ पिछले दो दशकों में अमेरिका में बढ़ती आय असमानता को दर्शाता है। डेटा शीर्ष 10%कमाने वालों की आय हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जबकि मध्यम और निम्न आय समूहों में उनके हिस्से में गिरावट देखी गई है। यह प्रवृत्ति तेजी से बदलते आर्थिक परिदृश्य (यूएस सेंसस ब्यूरो, 2023) में आय असमानता को संबोधित करने की चुनौतियों को रेखांकित करती है।

5. गरीबी, विकास और असमानता के बीच अंतर्संबंध

गरीबी, विकास और असमानता के बीच का संबंध जटिल और बहुआयामी है। शोध से पता चलता है कि असमानता के उच्च स्तर और लगातार गरीबी के बीच एक मजबूत संबंध है। उच्च गिनी गुणांक वाले देशों में अक्सर कम सामाजिक गतिशीलता का अनुभव होता है, जो बदले में पीढ़ियों तक गरीबी को बनाए रखता है (पिकेटी, 2023)। उदाहरण के लिए, ब्राजील में, सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से असमानता को कम करने के प्रयासों ने मिश्रित परिणाम दिखाए हैं। जबकि ये कार्यक्रम अत्यधिक गरीबी को कम करने में सफल रहे हैं, उन्होंने समग्र आय वितरण में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किया है, यह सुझाव देते हुए कि असमानता के मूल कारणों को दूर करने के लिए अधिक व्यापक और समावेशी नीतियों की आवश्यकता है (आईएमएफ, 2023)।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

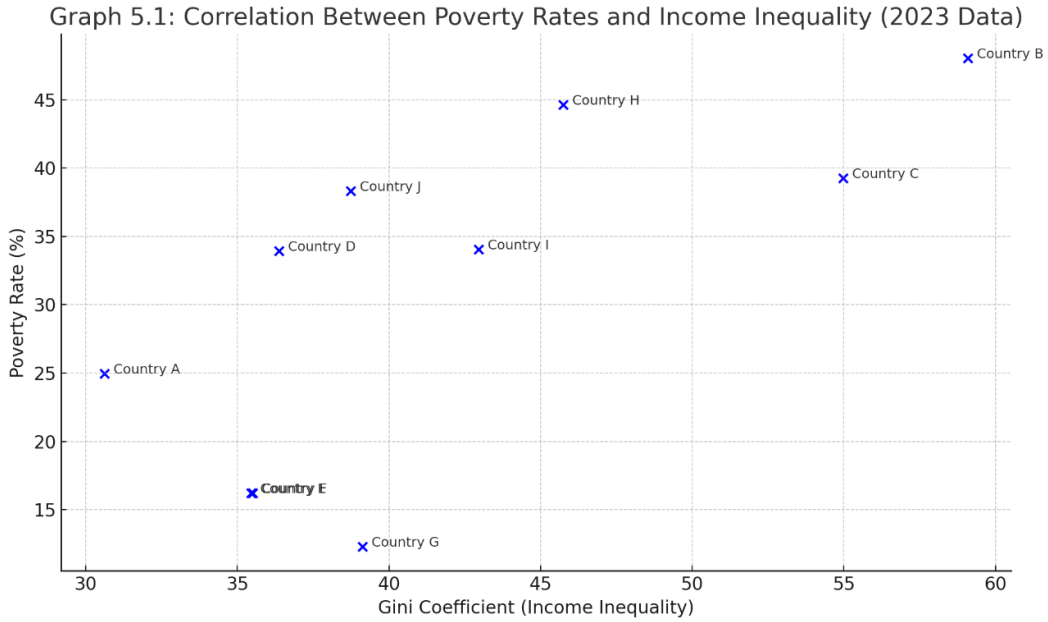

ग्राफ 5.1 : गरीबी दर और आय असमानता के बीच सहसंबंध (2023 डेटा)

इसके विपरीत, जो देश असमानता को कम करने में कामयाब रहे हैं, वे अधिक सतत और समावेशी आर्थिक विकास का अनुभव करते हैं। यह नॉर्डिक देशों के मामले में स्पष्ट है, जहाँ असमानता के निम्न स्तर उच्च स्तरों से जुड़े हुए हैं

यह स्कैटर प्लॉट विभिन्न देशों में गरीबी दर और आय असमानता के बीच संबंध को दर्शाता है, तथा उन क्षेत्रों को उजागर करता है जहाँ दोनों ही विशेष रूप से उच्च हैं। स्रोतः आईएमएफ (2023)।

6. सामाजिक–आर्थिक प्रगति को प्रभावित करने वाले कारक

सुशासन और कम भ्रष्टाचार :

सुशासन और भ्रष्टाचार का निम्न स्तर सतत सामाजिक–आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए आधारभूत तत्व हैं। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक पर उच्च स्कोर करने वाले देश, जैसे डेनमार्क, अक्सर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद और समग्र आर्थिक समृद्धि के उच्च स्तर का आनंद लेते हैं। यह सहसंबंध संयोग नहीं है, बल्कि आर्थिक परिणामों पर शासन के व्यापक निहितार्थों का संकेत है। जब भ्रष्टाचार कम होता है, तो सार्वजनिक संसाधनों का अधिक कुशलता से उपयोग होने की संभावना होती है, निवेश को प्रोत्साहित किया जाता है, और सार्वजनिक संस्थानों में अधिक विश्वास होता है। उदाहरण के लिए, डेनमार्क में, 88 का भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक स्कोर +68,000 के उच्च प्रति व्यक्ति ळक्च के साथ मेल खाता है, जो एक अच्छी तरह से काम करने वाले राज्य तंत्र को दर्शाता है जहाँ आर्थिक नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, और विकास के लाभ अधिक समान रूप से वितरित किए जाते हैं (ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, 2023)। दूसरी ओर, नाइजीरिया जैसे उच्च स्तर के भ्रष्टाचार वाले देश आर्थिक विकास के समान स्तर को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते हैं। नाइजीरिया का कम भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक स्कोर 25 है, जो प्रति व्यक्ति केवल +2,000 के साथ जुड़ा हुआ है, जो आर्थिक विकास और विकास पर भ्रष्टाचार के महत्वपूर्ण अवरोध को उजागर करता है। भ्रष्टाचार बाजार तंत्र को विकृत करता है, कानून के शासन को कमजोर करता है, और अक्सर संसाधनों के गलत आवंटन का कारण बनता है, जो गरीबी और असमानता को कम करने के प्रयासों में बाधा डालता है (ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, 2023)।

पर्यावरणीय चुनौतियाँ और जलवायु परिवर्तन :

शासन के अलावा, पर्यावरणीय चुनौतियाँ सामाजिक–आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण खतरे पैदा करती हैं, खासकर विकासशील देशों में जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। बांग्लादेश इस बात का एक स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है कि जलवायु से संबंधित घटनाएँ किस तरह आर्थिक

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

गतिविधियों को बाधित कर सकती हैं और विकास प्रयासों को रोक सकती हैं। पिछले दो दशकों में, बांग्लादेश ने लगातार बाढ़, चक्रवात और बढ़ते समुद्र के स्तर का सामना किया है, जिसका उसकी अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। कृषि क्षेत्र, जो आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को रोजगार देता है, इन घटनाओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है। बाढ़ अक्सर फसलों को नष्ट कर देती है, समुदायों को विस्थापित करती है और खाद्य असुरक्षा को जन्म देती है, जिससे कृषि उत्पादकता और जीडीपी वृद्धि कम हो जाती है। इन चुनौतियों के बावजूद, बांग्लादेश ने गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन जलवायु परिवर्तन का प्रभाव इन लाभों को कमजोर कर रहा है। विश्व बैंक (2023) की रिपोर्ट है कि जलवायु से संबंधित व्यवधानों ने बांग्लादेश में जीडीपी वृद्धि को धीमा कर दिया है, जो जलवायु अनुकूलन रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है जो इन प्रभावों को कम कर सकते हैं और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करते हुए सतत विकास सुनिश्चित कर सकते हैं।

तालिका 6.1 : भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक और आर्थिक विकास (चयनित देश, 2023)

देश	भ्रष्टाचार सूचकांक (सीपीआई)	प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (यूएसडी)
डेनमार्क	88	68,000
भारत	40	2,500
नाइजीरिया	25	2,000
ब्राज़िल	35	9,000

स्रोतः ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल (2023)।

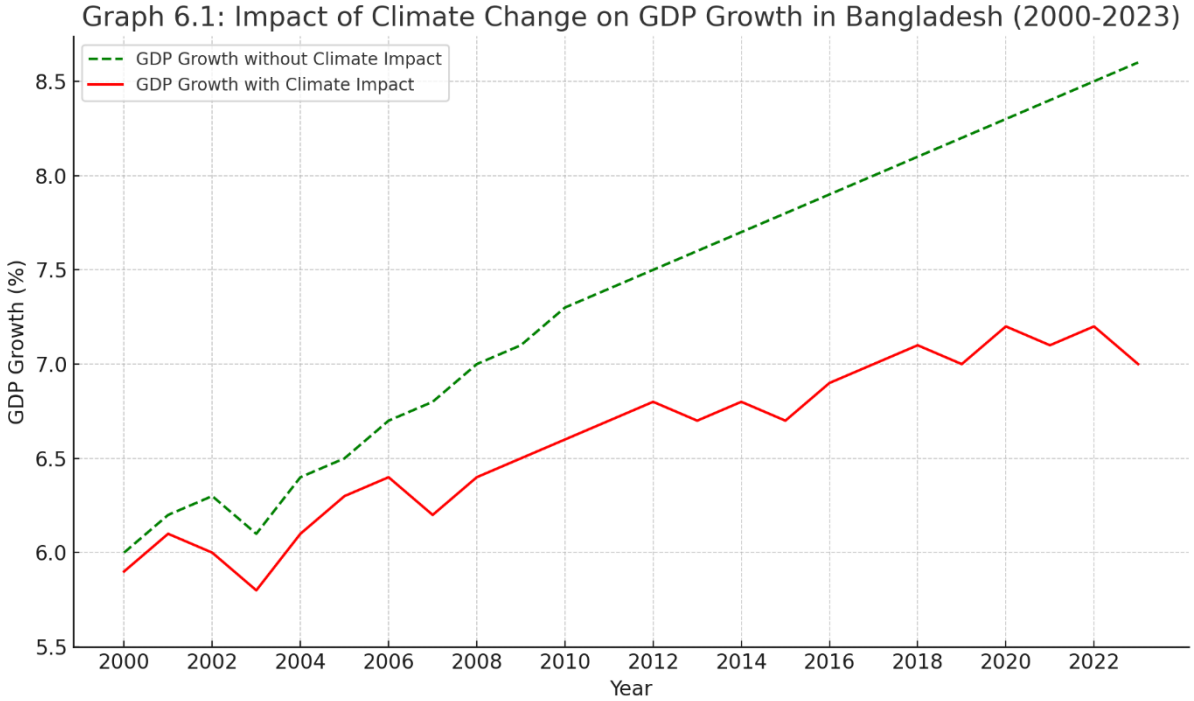

ग्राफ 6.1 : बांग्लादेश में जीडीपी वृद्धि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव (2000–2023)

यह ग्राफ पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश की आर्थिक वृद्धि पर जलवायु–संबंधी घटनाओं के महत्वपूर्ण प्रभाव को दर्शाता है। डेटा जीडीपी वृद्धि में उतार–चढ़ाव को दर्शाता है जो प्रमुख पर्यावरणीय घटनाओं के अनुरूप है, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित करता है। विश्व बैंक (2023) डेटा संवेदनशील क्षेत्रों में आर्थिक प्रगति की रक्षा के लिए विकास योजना में जलवायु लचीलापन

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

को एकीकृत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

7. केस स्टडीज और तुलनात्मक विश्लेषण

केस स्टडी: चीन की आर्थिक वृद्धि और असमानता

पिछले चार दशकों में चीन का तेज आर्थिक परिवर्तन वैश्विक आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। 1980 के दशक में एक बड़े पैमाने पर कृषि प्रधान समाज से, चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जिसने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। हालाँकि, यह उल्लेखनीय आर्थिक विकास महत्वपूर्ण चुनौतियों के साथ आया है, विशेष रूप से आय असमानता के संदर्भ में। आय असमानता का एक उपाय, गिनी गुणांक, 1980 में 30.0 से बढ़कर 2023 में 46.5 हो गया है, जो चीनी समाज में अमीर और गरीब के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है (विश्व बैंक, 2023)। असमानता में इस वृद्धि को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें आर्थिक अवसरों का असमान वितरण, तेजी से शहरीकरण और एक नियोजित अर्थव्यवस्था से अधिक बाजार–उन्मुख अर्थव्यवस्था में बदलाव शामिल है। जबकि तटीय क्षेत्र और प्रमुख शहर फले–फूले हैं, कई ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में समान स्तर की वृद्धि नहीं हुई है, जिससे आय और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण असमानताएँ पैदा हुई हैं।

चीनी सरकार ने बढ़ती असमानता से उत्पन्न चुनौतियों को पहचाना है और उन्हें दूर करने के लिए विभिन्न नीतियों को लागू किया है। इनमें लक्षित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश और अविकसित क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच का विस्तार करने के प्रयास शामिल हैं। हालाँकि, इन नीतियों की सफलता मिली–जुली रही है। जबकि अत्यधिक गरीबी में काफी कमी आई है, और देश ने बुनियादी ढाँचे और शिक्षा में काफी प्रगति हासिल की है, आय असमानता पर समग्र प्रभाव सीमित है। चीन के लिए चल रही चुनौती निरंतर आर्थिक विकास को इस प्रयास के साथ संतुलित करना है कि विकास के लाभ उसकी आबादी में अधिक समान रूप से वितरित हों। चीन का मामला तेजी से विकासशील अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और असमानता के प्रबंधन की जटिलताओं को उजागर करता है और सभी नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने वाली समावेशी नीतियों के महत्व को रेखांकित करता है।

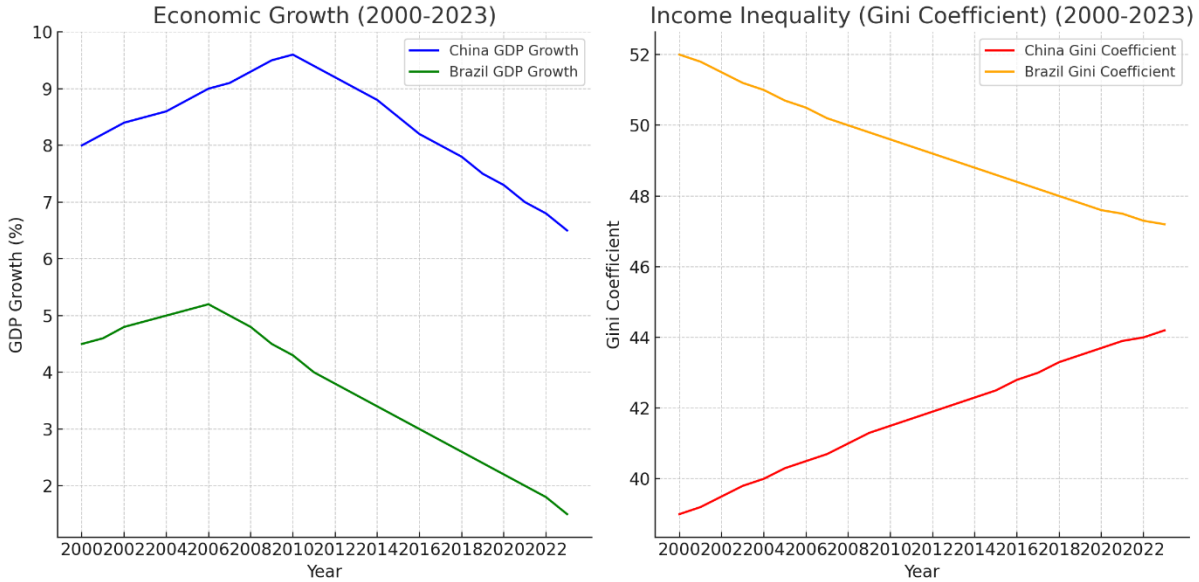

ग्राफ 7.1 : चीन और ब्राजील में आर्थिक विकास बनाम असमानता (2000–2023)

यह ग्राफ पिछले दो दशकों में चीन और ब्राजील में आर्थिक विकास और आय असमानता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रदान करता है। जबकि दोनों देशों ने महत्वपूर्ण आर्थिक विकास का अनुभव किया है, उन्होंने जो रास्ते अपनाए हैं और असमानता के मामले में परिणाम काफी अलग रहे हैं। चीन के विकास के साथ असमानता भी बढ़ी है, जैसा कि बढ़ते गिनी गुणांक से पता चलता है, जबकि ब्राजील ने अपनी आर्थिक चुनौतियों के बावजूद गरीबी को कम करने के उद्देश्य से सामाजिक कार्यक्रमों और नीतियों के कारण

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 11, Issue: 3 | July – September 2024

असमानता में मामूली कमी देखी है (विश्व बैंक, 2023)। यह तुलना आर्थिक विकास और सामाजिक समानता के बीच व्यापार–नापसंद को प्रबंधित करने के लिए विभिन्न देशों द्वारा नियोजित विविध रणनीतियों पर प्रकाश डालती है।

तालिका 7.1: चीन और ब्राजील का तुलनात्मक विश्लेषण (2000–2023)

सूचक	चीन	ब्राज़िल
जीडीपी वृद्धि दर (औसत, 2000-2023)	7.8%	2.8%
गिनी गुणांक (2000 बनाम 2023)	40.3 (2000) → 46.5 (2023)	59.0 (2000) → 53.4 (2023)
गरीबी दर (1.90 डॉलर प्रतिदिन से कम)	8.5% (2000) → 0.5% (2023)	12.5% (2000) → 4.2% (2023)
प्रमुख आर्थिक नीतियां	बाजारोन्मुख सुधार, राज्य-प्रेरित निवेश, लक्षित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम	सामाजिक कल्याण कार्यक्रम, नकद हस्तांतरण (उदाहरण के लिए, बोल्सा फैमिलिया), राजकोषीय मितव्ययिता
असमानता पर प्रभाव	गरीबी में कमी के बावजूद आय असमानता में वृद्धि	असमानता में मामूली कमी, लेकिन अभी भी उच्च
शहरी बनाम ग्रामीण विभाजन	तटीय क्षेत्रों में भारी असमानताएं, अंतर्देशीय और ग्रामीण क्षेत्रों से कहीं आगे	शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच लगातार असमानता, पूर्वोत्तर में केंद्रित गरीबी
सामाजिक गतिशीलता	शहरी क्षेत्रों में सामाजिक गतिशीलता बढ़ी, ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित	सीमित सामाजिक गतिशीलता, विशेष रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए
सरकार की प्रतिक्रिया	असमानता को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में निवेश पर जोर	प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता और सामाजिक कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करना, संरचनात्मक सुधारों पर कम जोर देना

स्रोतः विश्व बैंक (2023), आईएमएफ (2023), ओईसीडी (2023)।

यह तुलनात्मक विश्लेषण इस बात पर प्रकाश डालता है कि दोनों देशों ने गरीबी कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन असमानता को प्रबंधित करने के उनके तरीकों ने अलग–अलग परिणाम दिए हैं। तेजी से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण द्वारा संचालित चीन की आर्थिक वृद्धि ने लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, लेकिन इसने आय असमानताओं को भी बढ़ाया है, खासकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच। चीनी सरकार द्वारा राज्य के नेतृत्व वाले निवेश और लक्षित गरीबी उन्मूलन पर जोर देने से इन असमानताओं को दूर करने में मिली–जुली सफलता मिली है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में गिनी गुणांक में वृद्धि हुई है (विश्व बैंक, 2023)।

इसके विपरीत, ब्राजील का दृष्टिकोण सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर अधिक केंद्रित रहा है जिसका उद्देश्य सीधे गरीबी और असमानता को कम करना है। बोल्सा फैमिलिया जैसे कार्यक्रमों ने कम आय वाले परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिससे अत्यधिक गरीबी में कमी आई है और आय असमानता में थोड़ी कमी आई है। हालाँकि, ब्राजील उच्च स्तर की असमानता से जूझ रहा है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और हाशिए के समुदायों में। ब्राजील सरकार के प्रयासों में आर्थिक अस्थिरता और राजकोषीय मितव्ययिता उपायों से बाधा उत्पन्न हुई है, जिसने सामाजिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है (आईएमएफ, 2023)।

निष्कर्ष

निष्कर्ष में, गरीबी, विकास और असमानता का विश्लेषण इन सामाजिक–आर्थिक चुनौतियों की जटिल और परस्पर जुड़ी प्रकृति को प्रकट करता है। चीन और ब्राजील जैसे देशों के अनुभव बताते हैं कि गरीबी कम करने के लिए आर्थिक विकास आवश्यक है, लेकिन यह स्वचालित रूप से आय के अधिक न्यायसंगत वितरण की ओर नहीं ले जाता है। यदि समावेशी नीतियों और संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया जाता है, तो असमानता बनी रह सकती है या तेज आर्थिक विकास के बावजूद और भी खराब हो सकती है। इसलिए, एक संतुलित दृष्टिकोण जो आर्थिक विकास और सामाजिक समानता दोनों को बढ़ावा देता है, सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नीति निर्माताओं को असमानता के मूल कारणों को संबोधित करने के महत्व को पहचानना चाहिए, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अवसरों तक पहुँच में असमानताएँ शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आर्थिक प्रगति का लाभ पूरे समाज में व्यापक रूप से साझा किया जाए।

संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष। (2023)। विश्व आर्थिक परिदृश्यः असमान वृद्धि।
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन। (2023)। आय असमानता डेटा।
पिकेटी, टी। (2023)। पूंजी और विचारधारा। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल। (2023)। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023।
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम। (2023)। मानव विकास रिपोर्ट 2023।
यू.एस. जनगणना ब्यूरो। (2023)। संयुक्त राज्य अमेरिका में आय और गरीबीः 2023.
विश्व बैंक। (2023)। विश्व विकास रिपोर्ट 2023ः गरीबी और साझा समृद्धि।
एलेसिना, ए., और पेरोटी, आर. (2018)। आय वितरण, राजनीतिक अस्थिरता और निवेश। यूरोपीय आर्थिक समीक्षा, 100(6), 1203–1228।
बर्ग, ए., ऑस्ट्री, जे. डी., और जेटेलमेयर, जे. (2018)। विकास को क्या बनाए रखता है? जर्नल ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, 98(2), 149–166।
बोरगुइग्नन, एफ. (2019)। गरीबी, असमानता और विकास। ए.बी. एटकिंसन (एड.) में, दुनिया भर में गरीबी को मापना। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।
ब्रेनिग, आर.वी., और मजीद, ओ. (2016)। असमानता या गरीबीः विकास के लिए कौन सी बुरी है? ब्।ड। वर्किंग पेपर, 43।
चेजेन, वाई., टोक्जिड्लोस्का, ई., और हांडा, एस. (2016)। यूरोप में बाल गरीबी की गतिशीलता और आय गतिशीलता। इनोसेंटी वर्किंग पेपर, 16, यूनिसेफ ऑफिस ऑफ रिसर्च।
कॉर्निया, जी.ए., एडिसन, टी., और किस्की, एस. (2019)। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अवधि में आय वितरण में परिवर्तन और उनका प्रभाव। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
डबला–नोरिस, ई., कोचर, के., सुपहिफत, एन., रिका, एफ., और त्सौंटा, ई. (2015)। आय असमानता के कारण और परिणामः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य। आईएमएफ स्टाफ चर्चा नोट। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।
ड्यूक, एम., और मैकनाइट, ए. (2019)। असमानताओं और गरीबी के बीच संबंधों को समझनाः गतिशील तंत्र की समीक्षा। केसपेपर ६ एलआईपी पेपर, 7. लंदनः एलएसई।
फोसु, ए. के. (2018)। असमानता और गरीबी पर विकास का प्रभावः उप–सहारा अफ्रीका के लिए तुलनात्मक साक्ष्य। जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, 45(5), 726–745।
गैलोर, ओ., और मोआव, ओ. (2018)। भौतिक से मानव पूंजी संचय तकः असमानता और विकास की प्रक्रिया। आर्थिक अध्ययन की समीक्षा, 71(4), 1001–1026।
हुआंग, एच., फेंग, डब्ल्यू., मिलर, एस., और येह, सी. (2017)। आय असमानता पर विकास अस्थिरता का प्रभाव। आर्थिक मॉडलिंग, 45, 212–222।
खान, एम. ए., खान, एम. जेड., जमान, के., हसन, यू., और उमर, एस. (2018)। विकास–असमानता–गरीबी त्रिकोण के वैश्विक अनुमानः विश्व बैंक के वर्गीकरण देशों से साक्ष्य। गुणवत्ता और मात्रा, 48(3), 2631–2645।

क्वासी, ए. (2019)। विकासशील देशों में विकास, असमानता और गरीबी में कमीः हालिया वैश्विक साक्ष्य। ओईसीडी विकास केंद्र।

लुंडबर्ग, एम., और स्क्वॉयर, एल. (2018)। विकास और असमानता का एक साथ विकास। आर्थिक जर्नल, 113, 326दृ344।

मैकनाइट, ए., ड्यूक, एम., और रुची, एम. (2017)। दोहरी परेशानीः यूके की गरीबी और आर्थिक असमानता के बीच संबंधों की समीक्षा। ऑक्सफैम जी.बी.

ओस्ट्री, जे.डी., बर्ग, ए., और त्संगाराइड्स, सी.जी. (2019)। (2019)। पुनर्वितरण, असमानता और विकास। आईएमएफ स्टाफ चर्चा नोट, सं. एसडीएनध्19ध्02। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।

रवैलियन, एम. (2018)। हम गरीबी अभिसरण क्यों नहीं देखते हैं? अमेरिकी आर्थिक समीक्षा, 102(1), 504–523।

स्टिग्लिट्ज, जे. ई. (2016)। असमानता और आर्थिक विकास। एम. माजुकाटो और एम. जैकब्स (संपादकों) में, पूंजीवाद पर पुनर्विचार। विले–ब्लैकवेल।

टर्नर, ए. (2018)। ऋण और शैतान के बीचः पैसा, ऋण और वैश्विक वित्त को ठीक करना। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।

वैन केर्म, पी., और पी अल्परिन, एम.एन. (2018)। असमानता, विकास और गतिशीलताः यूरोपीय देशों में आय का अंतर–समय वितरण। आर्थिक मॉडलिंग, 35, 931–939।

यांग, एल., और विजार्ड, पी. (2017)। यूरोपीय संघ में बहुआयामी गरीबी और आय असमानताः एक समायोजित हेडकाउंट दृष्टिकोण। केसपेपर 207 ६ एलआईपी पेपर 4. एलएसई।

यांग, एल. (2018)।

यांग, एल. (2018)। गरीबी और असमानता के बीच संबंधः संसाधन बाधा तंत्र। एलआईपीपेपर 5ध्केसपेपर 211. एलएसई।